ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

13-14 December 2024

आईएलओ की सोशल डायलॉग रिपोर्ट

सन्दर्भ: अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने 11 दिसंबर, 2024 को अपनी सोशल डायलॉग रिपोर्ट जारी की, जिसमें सरकारों से बुनियादी श्रमिक अधिकारों, विशेष रूप से संगठन की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार का पालन करने का आग्रह किया गया। रिपोर्ट में पीक-लेवल सोशल डायलॉग (PLSD) को न्यायपूर्ण और समावेशी आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया के रूप में रेखांकित किया गया है।

श्रम अधिकार और सोशल डायलॉग पर मुख्य निष्कर्ष:

- रिपोर्ट में पाया गया कि 2015 से 2022 के बीच संगठन की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी के अनुपालन में 7% की गिरावट आई है। यह गिरावट नियोक्ताओं और श्रमिकों दोनों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के कारण हुई।
- रिपोर्ट में तर्क दिया गया है कि सोशल डायलॉग आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, सामाजिक प्रगति सुनिश्चित करने और निम्न-कार्बन और डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में समावेशी परिवर्तन बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।
- सोशल डायलॉग को मजबूत करके, देश आर्थिक चुनौतियों से निपट सकते हैं और सामाजिक न्याय को बढ़ावा दे सकते हैं।

शिखर-स्तरीय सामाजिक संवाद (पीएलएसडी) का महत्व:

- PLSD सरकार के प्रतिनिधियों, नियोक्ता संगठनों और श्रमिक संगठनों को एक साथ लाकर श्रम, आर्थिक और सामाजिक नीतियों पर बातचीत, परामर्श और जानकारी के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। इसमें शामिल हैं:
  - » **द्विपक्षीय प्रक्रियाएँ:** केवल नियोक्ता और श्रमिक संगठनों के बीच बातचीत।
  - » **त्रिपक्षीय प्रक्रियाएँ:** सरकार, नियोक्ता और श्रमिकों को नीति निर्माण में शामिल करना।
- रिपोर्ट में रेखांकित किया गया है कि PLSD, विशेष रूप से अल्प प्रतिनिधित्व वाले समूहों के लिए नीति निर्माण में प्रभावी भागीदारी के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे श्रम नीतियाँ समावेशी और न्यायपूर्ण हो सकें।

सोशल डायलॉग को मजबूत करने के लिए सिफारिशें:

- **मौलिक अधिकारों का पालन करें:** सरकारों को संगठन की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी का सम्मान सुनिश्चित करना चाहिए।
- **श्रम प्रशासन को सुसज्जित करें:** सरकारों को श्रम प्रशासन और सामाजिक भागीदारों को प्रभावी PLSD भागीदारी के लिए संसाधन और तकनीकी क्षमताएं प्रदान करनी चाहिए।
- **आउटरीच का विस्तार करें:** राष्ट्रीय सामाजिक संवाद संस्थानों (NSDIs) को अल्प प्रतिनिधित्व वाले समूहों, जैसे गिग वर्कर्स तक अपनी पहुंच बढ़ानी चाहिए।
- **सोशल डायलॉग प्रक्रियाओं का मूल्यांकन करें:** नियमित, साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन से चेक की सामाजिक-आर्थिक निर्णय-निर्माण में प्रभावशीलता का आकलन किया जाना चाहिए।

केस स्टडी: राजस्थान का प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड:

- रिपोर्ट में राजस्थान द्वारा प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स (पंजीकरण और कल्याण) विधेयक की शुरुआत को उजागर किया गया है, जिससे राजस्थान प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड की स्थापना हुई है।
- इस बोर्ड में सरकार के प्रतिनिधि, गिग वर्कर्स, एग्रीगेटर्स और सिविल सोसाइटी के 12 सदस्य शामिल हैं, जिसका उद्देश्य गिग वर्कर्स के कल्याण और अधिकारों में सुधार करना है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के बारे में:

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO), 1919 में स्थापित, एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है जो सामाजिक न्याय और न्यायपूर्ण श्रम प्रथाओं को बढ़ावा देती है। यह अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों को स्थापित करता है और श्रमिक अधिकारों की वकालत करता है।
- ILO, सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों को साथ लाकर गरिमापूर्ण काम और आर्थिक प्रगति के लिए नीतियाँ विकसित करता है।
- इसके प्रयास श्रम अधिकार, सामाजिक संरक्षण और स्थायी रोजगार पर केंद्रित होते हैं ताकि एक न्यायपूर्ण और अधिक समावेशी वैश्विक

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल सके।

निष्कर्ष:

ILO सोशल डायलॉग रिपोर्ट, सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों से वैश्विक श्रम चुनौतियों से निपटने के लिए सोशल डायलॉग के माध्यम से सहयोग करने का आग्रह करती है। श्रम अधिकारों का सम्मान करके और समावेशी, सहभागिता वाले निर्णय-निर्माण को सुनिश्चित करके, देश न्यायपूर्ण आर्थिक और सामाजिक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं, जिससे सामाजिक न्याय और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए सोशल डायलॉग एक महत्वपूर्ण उपकरण बन जाता है।

गंभीर हीमोफीलिया ए के लिए जीन थेरेपी

सन्दर्भ: भारत में हाल ही में एक जीन थेरेपी का परीक्षण किया गया है जिसने गंभीर हीमोफीलिया ए के उपचार में आशाजनक परिणाम दिखाए हैं, जो पारंपरिक रूप से बार-बार क्लॉटिंग फैक्टर इन्फ्यूजन के साथ जीवन भर के उपचार की मांग करता है। हीमोफीलिया ए एक दुर्लभ अनुवांशिक विकार है जो रक्त के थक्के जमने की प्रक्रिया को बाधित करता है, जिससे गंभीर और स्वत: रक्तस्राव होता है। यदि समय पर इलाज नहीं किया गया तो ये घातक हो सकते हैं।

हीमोफीलिया ए क्या है?

- हीमोफीलिया ए की वजह फैक्टर VIII नामक प्रोटीन की अनुपस्थिति होती है, जो रक्त के थक्के जमने के लिए आवश्यक है। इस थक्के जमाने वाले फैक्टर के बिना, हीमोफीलिया वाले व्यक्तियों को मामूली चोटों से भी लंबे समय तक रक्तस्राव का जोखिम होता है और स्वत:स्फूर्त आंतरिक रक्तस्राव हो सकता है।
- **गंभीर हीमोफीलिया ए:** जब किसी व्यक्ति में सामान्य थक्के जमाने वाले फैक्टर का 1% से कम होता है, जिससे बार-बार और खतरनाक रक्तस्राव होते हैं।
- **प्रसार:** हीमोफीलिया ए भारत में अपेक्षाकृत दुर्लभ है लेकिन प्रचलित है, जहाँ दुनिया में हीमोफीलिया मरीजों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है, अनुमानित 40,000 से 1,00,000 लोग प्रभावित हैं।

हीमोफीलिया ए के लिए पारंपरिक उपचार:

- हीमोफीलिया ए का मानक उपचार नियमित फैक्टर VIII के इन्फ्यूजन के माध्यम से होता है, जो रक्तस्राव को रोकने में मदद करता है। हालांकि, ये इन्फ्यूजन आमतौर पर साप्ताहिक आधार पर आवश्यक होते हैं, जिससे उपचार बोझिल और महंगा हो जाता है।
- **लागत:** 2024 में हेलेयॉन (Heliyon) में एक अध्ययन के अनुसार, भारत में एक हीमोफीलिया रोगी का इलाज करने की लागत 10 साल की अवधि में 2.54 करोड़ ($300,000) तक हो सकती है।
- **जीवन भर उपचार:** फैक्टर VIII के रिप्लेसमेंट के साथ उपचार जीवन भर चलता है और इसे प्रबंधित करना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि मरीजों को बार-बार रक्तस्राव का खतरा रहता है।

जीन थेरेपी के रूप में एक नई उपलब्धि:

- इन चुनौतियों के जवाब में, हाल ही में एक अध्ययन ने गंभीर हीमोफीलिया ए के लिए एक नई जीन थेरेपी उपचार का परीक्षण किया। इस थेरेपी का तमिलनाडु में पांच मरीजों पर परीक्षण किया गया।
- **उद्देश्य:** जीन थेरेपी का उद्देश्य एक बार का समाधान प्रदान करना है, जिसमें शरीर में एक जीन को प्रविष्ट किया जाता है जो पर्याप्त थक्के जमाने वाले फैक्टर का उत्पादन करने में सक्षम होता है जिससे रक्तस्राव की घटनाओं को रोका जा सके।
- **परिणाम:** 14 महीने की औसत अनुवर्ती अवधि में, पांचों मरीजों में से किसी को भी रक्तस्राव नहीं हुआ, जो उनके सामान्य बार-बार होने वाले रक्तस्राव की घटनाओं की तुलना में एक महत्वपूर्ण सुधार है।

जीन थेरेपी कैसे काम करती है?

- हीमोफीलिया ए के लिए जीन थेरेपी में एक उपचारात्मक जीन को रोगी के शरीर में प्रविष्ट किया जाता है जिससे फैक्टर VIII का उत्पादन बहाल हो सके, जो हीमोफीलिया ए मरीजों में कमी होती है।
- **लेंटिवायरस वेक्टर्स:** जीन देने के लिए लेंटिवायरस वेक्टर्स का उपयोग किया जाता है, जिसे एडेनोवायरस के उपयोग से अधिक सुरक्षित माना जाता है।
- **प्रक्रिया:** जीन को मरीजों से लिए गए स्टेम सेल के साथ मिलाया जाता है, जिससे प्रक्रिया सुरक्षित और बच्चों के लिए भी उपयुक्त हो सकती है। इस नवीन दृष्टिकोण से अन्य उपचारों की आवश्यकता वाले इम्यूनोसप्रेसिव दवाओं की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और जिगर के स्वास्थ्य के जोखिम को कम करता है।

वैश्विक संदर्भ और रोक्टेवियन से तुलना:

- वर्तमान में, हीमोफीलिया ए के लिए केवल एफडीए-स्वीकृत जीन थेरेपी रोक्टेवियन है, जिसने 112 मरीजों के साथ परीक्षणों में सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। रोक्टेवियन उपचार के बाद, वार्षिक रक्तस्राव एपिसोड की औसत संख्या 5.4 से घटकर 2.6 हो गई।
- **भारतीय अध्ययन से अंतर:** भारत द्वारा शोध में लेंटिवायरस-आधारित जीन डिलीवरी का उपयोग किया गया है, जो अधिक सुरक्षित और किफायती हो सकता है।
- **लागत:** रोक्टेवियन उच्च लागत से जुड़ा है, जिससे मरीजों के लिए पहुंच सीमित हो जाती है, जबकि भारतीय जीन थेरेपी परीक्षण स्थानीय उत्पादन की संभावना प्रदान करता है, जिससे यह अधिक सुलभ और किफायती हो जाता है।
- **अध्ययन पर विशेषज्ञ की राय:** विशेषज्ञों ने इस परीक्षण को ष्क्रांतिकारीष् उपलब्धि के रूप में सराहा है, यह संसाधन-सीमित सेटिंग्स

जैसे भारत में जीन थेरेपी परीक्षण करने की व्यवहार्यता को प्रदर्शित करता है।

- **स्थानिक उत्पादन:** यह स्थानीयकृत जीन थेरेपी निर्माण की क्षमता को भी उजागर करता है, जिससे लागत कम हो सकती है और भारत के अलावा अन्य क्षेत्रों में उपचार की पहुंच बढ़ सकती है।

निष्कर्ष:

गंभीर हीमोफीलिया ए के उपचार के लिए जीन थेरेपी का विकास विकार के उपचार में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करता है। यह दृष्टिकोण संभावित रूप से एक स्थायी समाधान प्रदान कर सकता है, जिससे बार-बार और महंगे उपचार की आवश्यकता कम हो सकती है। निरंतर अनुसंधान और प्रगति के साथ, जीन थेरेपी अधिक किफायती और सुलभ उपचार बन सकता है, विशेष रूप से ऐसे देशों में जहां हीमोफीलिया का बोझ अधिक है। इस अध्ययन की सफलता जीवन-परिवर्तनकारी थेरेपी की वैश्विक पहुंच को बेहतर बनाने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है, विशेष रूप से संसाधन-सीमित क्षेत्रों में।

भारत–ईरान–अर्मेनिया त्रिपक्षीय परामर्श

सन्दर्भ: हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित दूसरे भारत-ईरान-अर्मेनिया त्रिपक्षीय परामर्श का फोकस कनेक्टिविटी, व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता में सहयोग बढ़ाने पर था। भारत के पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान विभाग के संयुक्त सचिव जेपी सिंह के नेतृत्व में, इस परामर्श में ईरान और अर्मेनिया के प्रतिनिधिमंडल भी शामिल थे।

चर्चा के प्रमुख क्षेत्र:

- **कनेक्टिविटी पहल:** चर्चाओं में अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) और ईरान में चाबहार बंदरगाह के महत्व पर जोर दिया गया। इन पहलों का उद्देश्य तीनों देशों के बीच और उससे आगे, विशेष रूप से मध्य एशिया और यूरोप तक व्यापार मार्गों को बढ़ाना है। अर्मेनिया ने अपनी 'क्रॉसरोड्स ऑफ पीस' कनेक्टिविटी पहल का परिचय दिया, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को और सुधारना है।
- **व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान:** व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर महत्वपूर्ण ध्यान केंद्रित किया गया। त्रिपक्षीय भागीदारों ने आपसी समझ और सहयोग को बढ़ाने के लिए लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।
- **भविष्य के परामर्श:** त्रिपक्षीय भागीदारों ने ईरान में एक सुविधाजनक तिथि पर अगले दौर के परामर्श आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

भारत–ईरान द्विपक्षीय संबंध:

- **आर्थिक सहयोग:** भारत और ईरान के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्तीय वर्ष 2022-23 में $2.33 बिलियन तक पहुंच गया। भारत का ईरान को निर्यात $1.66 बिलियन था, जबकि आयात $672.12 मिलियन था।
- **ऊर्जा सहयोग:** ऊर्जा भारत-ईरान संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है, विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह के साथ जो एक वैकल्पिक व्यापार मार्ग प्रदान करता है। प्रतिबंधों के बावजूद, ईरान का कच्चा तेल उत्पादन मई 2024 में 3.4 मिलियन बैरल प्रति दिन तक पहुंच गया।
- **रणनीतिक कनेक्टिविटी परियोजनाएँ:** चाबहार बंदरगाह और चाबहार और जहेदान के बीच 700 किमी रेलवे लिंक का विकास, जिसमें अफगानिस्तान से जुड़ाव शामिल है, जो प्रमुख परियोजनाओं में से हैं।

भारत–अर्मेनिया द्विपक्षीय संबंध:

- **आर्थिक संबंध:** भारत और अर्मेनिया आईटी, फार्मास्युटिकल और कृषि जैसे क्षेत्रों में अप्रयुक्त व्यापार संभावनाओं की खोज कर रहे हैं। 2020 में द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य $46.3 मिलियन था।
- **सांस्कृतिक और शैक्षिक सहयोग:** भारतीय संस्कृति, सिनेमा, योग और आयुर्वेद सहित, अर्मेनिया में लोकप्रिय हैं। इसके अलावा, कई भारतीय छात्र अर्मेनिया में मेडिकल शिक्षा प्राप्त करते हैं, जिससे सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंध मजबूत होते हैं।

भारत–ईरान रक्षा संबंध

- भारत और ईरान ने सुरक्षा और रणनीतिक चिंताओं को संबोधित करने के लिए कई परामर्शात्मक तंत्र स्थापित किए हैं। इनमें विदेश कार्यालय परामर्श, सुरक्षा परामर्श और संयुक्त वाणिज्यिक बैठकें शामिल हैं।

भारत–अर्मेनिया रक्षा संबंध

- **हथियार समझौते:** अर्मेनिया ने 2020 में भारत के साथ $40 मिलियन का हथियार समझौता किया, जिसमें हथियारों के स्थान का पता लगाने

के लिए स्वाथी राडार की आपूर्ति शामिल थी।

- **मिसाइल और आयुध निर्यात:** भारत ने अर्मेनिया को पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर और मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (MPATGM) का भी निर्यात किया है, जिससे दोनों देशों की रक्षा क्षमताओं में सुधार हुआ है।

निष्कर्ष:

भारत-ईरान-अर्मेनिया त्रिपक्षीय परामर्श कनेक्टिविटी, व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह साझेदारी क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने पर जोर देती है। यह त्रिपक्षीय चर्चाएं तीनों देशों के बीच गहरे राजनयिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंधों का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

भारत – थाईलैंड संबंध

सन्दर्भ: हाल ही में 12 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में आयोजित 9वें भारत-थाईलैंड रक्षा संवाद ने दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों को रेखांकित किया। भारत और थाईलैंड का संबंध सदियों पुराना है जो व्यापार, संस्कृति और धर्म में निहित है। यह साझेदारी वर्षों में व्यापार, निवेश, रक्षा और पर्यटन सहित बहु-क्षेत्रीय सहयोग में विकसित हुई है।

हाल के विकास:

- भारत के संयुक्त सचिव (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग) और थाईलैंड के उप स्थायी रक्षा सचिव द्वारा सह-अध्यक्षता की गई, इस संवाद में निम्नलिखित पहलुओं की खोज की गई:
  - » रक्षा उद्योग सहयोग की निगरानी के लिए एक संयुक्त कार्य समूह की स्थापना।
  - » सशस्त्र बलों के बीच विषय विशेषज्ञों का आदान-प्रदान करना।
  - » रक्षा उद्योगों में सह-डिजाइन, सह-उत्पादन और सह-विकास की संभावनाओं की खोज।
- यह संवाद थाईलैंड की भारत की एक्ट ईस्ट नीति में रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है और थाईलैंड की लुक वेस्ट नीति को पूरा करता है, जिससे द्विपक्षीय संबंध बढ़ते हैं।

व्यापार और निवेश:

- भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है:
  - » 2020: $9.76 बिलियन
  - » 2021: $15 बिलियन
  - » 2022-23: $16.89 बिलियन
- **थाईलैंड को भारत के प्रमुख निर्यात:**
  - » **मोती, बहुमूल्य पत्थर और आभूषण:** $1.02 बिलियन (2022-23)
  - » **मैकेनिकल मशीनरी और पार्ट:** $570 मिलियन (अप्रैल-नवंबर 2023-24)
  - » **समुद्री उत्पाद:** $219 मिलियन (अप्रैल-नवंबर 2023-24)
- **भारत के थाईलैंड से प्रमुख आयात:**
  - » **प्लास्टिक कच्चे माल:** $915 मिलियन
  - » **इलेक्ट्रॉनिक घटक:** $895 मिलियन
  - » **वनस्पति तेल:** $523 मिलियन
- थाईलैंड भारत में 27वां सबसे बड़ा निवेशक है, जिसमें कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) $1.39 बिलियन (अप्रैल 2022-सितंबर 2023) है। भारतीय कंपनियाँ जैसे टाटा स्टील और टीसीएस ने थाईलैंड में मजबूत उपस्थिति स्थापित की है, जबकि थाई कंपनियाँ भारत के कृषि-प्रसंस्करण, निर्माण और ऑटोमोटिव क्षेत्रों में निवेश करती हैं।

संयोजकता परियोजनाएँ:

- **भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग:** दक्षिण पूर्व एशिया से व्यापार और पर्यटन को बढ़ाता है।
- **दावेई परियोजना:** म्यांमार में दावेई डीप-सी पोर्ट को चेन्नई से जोड़ता है, जिससे भीड़भाड़ वाले मलक्का जलडमरूमध्य का विकल्प प्रदान करता है।

रक्षा सहयोग:

- संवाद में थाईलैंड की रक्षा अधिग्रहण योजनाओं का समर्थन करने में

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

भारत के घरेलू रक्षा उद्योग की संभावनाओं पर जोर दिया। थाईलैंड के प्रतिनिधिमंडल ने डीआरडीओ मुख्यालय का भी दौरा किया ताकि रक्षा अनुसंधान और संयुक्त उत्पादन में सहयोगी अवसरों की खोज की जा सके।

द्विपक्षीय संबंधों में चुनौतियाँ:

- **व्यापार असंतुलन:** भारत के निर्यात ($5.71 बिलियन) थाईलैंड से इसके आयात ($11.19 बिलियन) से कम हैं (2022-23)।
- **तकनीकी बाधाएँ:** कठोर मानक और प्रमाणन प्रक्रियाएँ विशेष रूप से समुद्री और पोल्ट्री उत्पादों के लिए व्यापार में बाधा डालती हैं।
- **बुनियादी ढांचे की कमी:** अपर्याप्त लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग बुनियादी ढांचा दक्षता में बाधा डालता है।

आसियान और क्षेत्रीय सहयोग:

- आसियान में थाईलैंड की रणनीतिक भूमिका इसे भारत के लिए महत्वपूर्ण बनाती है। आसियान, $10.2 ट्रिलियन की संयुक्त जीडीपी के साथ, क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देता है। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) और क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (RCEP) जैसी पहल के माध्यम से सहयोग भारत की एक्ट ईस्ट नीति को आसियान के लक्ष्यों के साथ संरेखित करता है।

लिपस्टिक प्रभाव

सन्दर्भ: भारत में सौंदर्य और कॉस्मेटिक्स का बाजार लगातार बढ़ रहा है, जो आर्थिक अनिश्चितता के दौरान भी अद्भुत लचीलापन दिखा रहा है। यह वृद्धि उपभोक्ता व्यवहार के लिपस्टिक प्रभाव सिद्धांत के साथ मेल खाती है, जो यह दर्शाता है कि लोग आर्थिक मंदी के दौरान छोटे, सस्ते विलासिता को किस प्रकार प्राथमिकता देते हैं।

लिपस्टिक प्रभाव को समझना:

- लिपस्टिक प्रभाव एक प्रवृत्ति को संदर्भित करता है जहां उपभोक्ता, वित्तीय सीमाओं के बावजूद, कॉस्मेटिक्स, कॉफी या फिल्म टिकट जैसे छोटे लग्जरी सामानों में लिप्त होते हैं। यह व्यवहार कठिन समय के दौरान सामान्यता और भावनात्मक आराम बनाए रखने की इच्छा से उत्पन्न होता है।

मुख्य बिन्दु:

- जूलियट शॉर ने इस प्रभाव का वर्णन पहली बार 1998 में अपनी पुस्तक 'द ओवर्स्पेंट अमेरिकन' में किया। एस्टे लॉडर के लियोनार्ड लॉडर ने 2001 की मंदी के दौरान लिपस्टिक की बिक्री में वृद्धि का अवलोकन किया, जिससे इस शब्द का प्रचलन हुआ।
- **आर्थिक संदर्भ:** लिपस्टिक प्रभाव अर्थशास्त्र में आय प्रभाव के अंतर्गत कार्य करता है। जब आय गिरती है, तो उपभोक्ता महंगे विलासिता का त्याग करते हैं और सीमित आय के छोटे-छोटे विलासिता वाले चीजों की ओर मोड़ते हैं।
- **मनोवैज्ञानिक प्रेरणाएँ:** छोटे लक्जरी आइटम्स भावनात्मक आराम प्रदान करते हैं और व्यक्तियों को आत्म-सम्मान और रूप-रंग बनाए रखने में मदद करते हैं, खासकर प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजारों में।
- **भारत में वर्तमान बाजार की गतिशीलता और लिपस्टिक इफेक्ट:** 2024 में, मुद्रास्फीति और उच्च ब्याज दरों जैसी चुनौतियों के बावजूद, भारत का ब्यूटी और कॉस्मेटिक्स बाजार फल-फूल रहा है। यह 2032 तक $46.6 बिलियन तक बढ़ने का अनुमान है, जिसमें 2024-2032 के बीच 5.6% का वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) है।

खास श्रेणियों की वृद्धि:

- **सबसे तेजी से बढ़ती श्रेणियाँ:** पर्सनल केयर, मेकअप और स्किनकेयर में 4.5% की वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) के साथ सबसे आगे हैं।
- **फ्रैग्रेन्स:** परफ्यूम और डिओडोरेंट्स जैसे उत्पादों का बड़ा बाजार हिस्सा बन रहा है।
- **सैलून इंडस्ट्री:** 20,000 करोड़ का मूल्यांकन, भारतीय सैलून उद्योग में बहुत संभावनाएँ हैं, जिसमें संगठित क्षेत्र का हिस्सा 20% से कम है।
- **पोस्ट-पेंडेमिक पुनरुद्धार:** COVID-19 महामारी ने स्वयं के देखभाल पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे ब्यूटी उत्पादों की मांग बढ़ गई। शहरी और ग्रामीण दोनों उपभोक्ता अधिक विचारशील हो गए हैं, जिससे व्यक्तिगत देखभाल रूटीन की अधिक अपनाने में वृद्धि हुई है।

भारतीय सौंदर्य बाजार में वृद्धि के कारक:

- **आर्थिक कारक:** शहरीकरण और डिस्पोजेबल इनकम में वृद्धि से विकास को बढ़ावा मिलता है। छोटे शहरों के उपभोक्ता शहरी खपत पैटर्न का अनुकरण कर रहे हैं, जिससे नए बाजार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।
- **सांस्कृतिक परिवर्तन:** विभिन्न जनसांख्यिकी में व्यक्तिगत सौंदर्य के प्रति जागरूकता बढ़ने से ब्यूटी उत्पादों की स्थिर मांग उत्पन्न होती है। पेशेवर और सामाजिक सेटिंग्स में आकर्षक रूप-रंग बनाए रखने की आकांक्षा से वृद्धि हो रही है।
- **सस्ती विलासिता:** प्रीमियम लिपस्टिक, फ्रैग्रेन्स और स्किनकेयर आइटम्स लिपस्टिक इफेक्ट के साथ संरेखित होते हैं, जो सस्ती तरीके से लक्जरी महसूस करने की पेशकश करते हैं।

लिपस्टिक इफेक्ट की चुनौतियाँ और सीमाएँ:

- **डेटा की उपलब्धता:** लिपस्टिक जैसे विशिष्ट उत्पादों के समय पर बिक्री का डेटा आसानी से उपलब्ध नहीं होता, जिससे इसे आर्थिक संकेतक के रूप में उपयोग करना मुश्किल हो जाता है।
- **गंभीर आर्थिक मंदी:** अत्यधिक संकुचन में, छोटे लक्जरी आइटम्स

की मांग भी कम हो सकती है क्योंकि सभी विवेकाधीन खर्च कम हो जाते हैं।

निष्कर्ष:

लिपस्टिक इफेक्ट आर्थिक अनिश्चितता के दौरान उपभोक्ता व्यवहार में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। भारत के ब्यूटी मार्केट के लिए, यह बताता है कि छोटे लक्जरी आइटम्स क्यों फलीभूत होते हैं जबकि बड़े खर्च घटते हैं। अनुकूल आर्थिक रुझान, व्यक्तिगत देखभाल की बढ़ती जागरूकता और छोटे शहरों में उपभोक्ता आधार के विस्तार के साथ, ब्यूटी क्षेत्र निरंतर वृद्धि के लिए तैयार है। इस प्रभाव को समझकर, व्यवसाय बदलते प्राथमिकताओं को पूरा कर सकते हैं, जिससे लचीलापन और बाजार प्रासंगिकता सुनिश्चित होती है।

विश्व मलेरिया रिपोर्ट

सन्दर्भ: हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की नवीनतम विश्व मलेरिया रिपोर्ट (2024) के अनुसार, मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में। उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, विशेष रूप से WHO दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में, यह बीमारी अभी भी लाखों लोगों को प्रभावित करती है, जिसमें अधिकांश मामले और मौतें अफ्रीकी क्षेत्र में होती हैं।

मलेरिया:

- मलेरिया प्लास्मोडियम परजीवियों के कारण होता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छरों के काटने से मनुष्यों में फैलते हैं।
- यह संक्रामक नहीं है और व्यक्ति से व्यक्ति में नहीं फैल सकता। सबसे खतरनाक प्रजातियाँ प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम और प्लास्मोडियम विवैक्स हैं।
- यह बीमारी बुखार, ठंड, थकान और गंभीर मामलों में मौत जैसी लक्षणों का कारण बनती है।

दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में प्रगति:

- दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र वैश्विक मलेरिया बोझ का 1.5% हिस्सा है। 2023 में, भारत ने सभी मलेरिया मामलों का लगभग आधा और इंडोनेशिया ने लगभग एक तिहाई मामलों की रिपोर्ट की। इसके बावजूद, इस क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है:
  - » क्षेत्र में मलेरिया से होने वाली मौतें 82.9% घटकर 2000 में 35,000 से 2023 में 6,000 हो गई।
  - » क्षेत्र ने मलेरिया मामलों में 82.4% की कमी की, जो 2000 में 22.8 मिलियन से 2023 में 4 मिलियन हो गई।
  - » भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है, 2023 में 2000 की तुलना में 93% कम मलेरिया मामले और 17.7 मिलियन कम मामले दर्ज किए गए।
- **2022-2023 की अवधि में, कई देशों ने मलेरिया मामलों में कमी हासिल की:**
  - » बांग्लादेश (-9.2%), भारत (-9.6%), इंडोनेशिया (-5.7%), और नेपाल (-58.3%) ने कमी दर्ज की, जबकि म्यांमार (+45.1%) और थाईलैंड (+46.4%) में वृद्धि देखी गई।
  - » तिमोर-लेस्ते और भूटान ने 2023 में शून्य स्वदेशी मलेरिया मामले दर्ज किए।

वैश्विक मलेरिया स्थिति:

- वैश्विक स्तर पर, 2023 में अनुमानित 263 मिलियन मलेरिया मामले और 597,000 मौतें हुई। यह 2022 की तुलना में 11 मिलियन मामलों की वृद्धि है, लेकिन मौतों की संख्या स्थिर रही। लगभग 95% मौतें WHO अफ्रीकी क्षेत्र में हुई, जो मलेरिया को रोकने, पहचानने और इलाज करने के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है।
- 2000 से, 2.2 बिलियन मामले और 12.7 मिलियन मौतें रोकी गई हैं। इस प्रगति के बावजूद, मलेरिया विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं जैसी कमजोर आबादी के लिए एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य खतरा बना हुआ है।

मलेरिया-मुक्त प्रमाणन और चुनौतियाँ:

- नवंबर 2024 तक, 44 देश और एक क्षेत्र को WHO द्वारा मलेरिया-मुक्त प्रमाणित किया गया है, जिनमें से 25 मलेरिया-स्थानिक देश अब वार्षिक रूप से 10 से कम मामले दर्ज कर रहे हैं-2000 में केवल 4 देशों की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार। हालांकि, वित्तपोषण एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है।
- 2023 में, मलेरिया नियंत्रण के लिए कुल वित्तपोषण 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 8.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य से कम था। इस कमी ने जीवन-रक्षक उपकरणों जैसे कीटनाशक-उपचारित मच्छरदानी और दवाओं की उपलब्धता में अंतराल पैदा किया है। कमजोर स्वास्थ्य प्रणालियाँ, दवा प्रतिरोध, और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियाँ भी मलेरिया नियंत्रण के प्रयासों को खतरा पहुंचाती हैं।

निष्कर्ष:

मलेरिया उन्मूलन में प्रगति के बावजूद वित्तीय कमी और स्वास्थ्य प्रणाली की कमजोरियाँ आगे की प्रगति में बाधा डालती हैं। वैश्विक निवेश नवोन्मेषी रणनीतियाँ और समानता और मानवाधिकारों पर ध्यान केंद्रित करना मलेरिया मुक्त दुनिया के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। निरंतर प्रयासों के साथ मलेरिया को पूरी दुनिया से समाप्त किया जा सकता है।

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

13-14 December 2024

पॉवर पैक्ड न्यूज

डोनाल्ड ट्रम्प को 2024 के लिए TIME का पर्सन ऑफ द ईयर नामित

- डोनाल्ड ट्रम्प, अमेरिका के राष्ट्रपति को 2024 के लिए TIME मैगजीन का 'पर्सन ऑफ द ईयर' नामित किया गया है।
- यह उनका दूसरा सम्मान है; उन्हें 2016 में भी चुना गया था जब वे पहली बार राष्ट्रपति बने थे।
- अन्य नामांकितों में कमला हैरिस, एलोन मस्क, बेंजामिन नेतन्याहू और केट, प्रिंसेस ऑफ वेल्स शामिल थे।
- 2023 में, टेलर स्विफ्ट को इस खिताब से सम्मानित किया गया था, जो TIME की समाज में योगदान देने वालों की व्यापक मान्यता को दर्शाता है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर डोम्माराजू गुकेश बने विश्व शतरंज चैंपियन

- 18 वर्षीय भारतीय शतरंज प्रतिभा डोम्माराजू गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियन का खिताब जीता है। उन्होंने सिंगापुर में आयोजित 18वीं FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप के फाइनल में चीन के डिंग लिरेन को हराया।
- गुकेश ने 14 मैचों में 7.5 अंक हासिल किए, जिससे वे 22 साल की उम्र में चैंपियन बनने वाले गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ दिया।
- यह उपलब्धि हासिल करने वाले गुकेश दूसरे भारतीय बने, पहले विश्वनाथन आनंद थे। उनकी जीत भारतीय शतरंज के लिए वैश्विक मंच पर गर्व का क्षण है।

2034 फीफा विश्व कप की मेजबानी करेगा सऊदी अरब

- सऊदी अरब 2034 फीफा विश्व कप की मेजबानी करेगा।
- सऊदी अरब में ये मैच रियाद, जेद्दा, अल खोबर, अबा और नियोम के 15 स्टेडियमों में होंगे।
- यह निर्णय स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को द्वारा 2030 संस्करण की सह-मेजबानी की घोषणा के बाद आया है।
- सऊदी अरब की मेजबानी वैश्विक खेल आयोजनों पर उसके बढ़ते ध्यान को उजागर करती है।

विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आयुर्वेद एक्सपो

- विश्व आयुर्वेद कांग्रेस डिजिटल एकीकरण पर केंद्रित विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आयुर्वेद एक्सपो 12 दिसंबर को देहरादून में शुरू हुआ।
- इसकी थीम 'डिजिटल हेल्थ, आयुर्वेदिक अप्रोच' पर केंद्रित है, जो पारंपरिक आयुर्वेद को एआई, ऑगमेंटेड रियलिटी और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ जोड़ता है। 5,500 से अधिक भारतीय और 350 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि आयुर्वेद में प्रगति पर चर्चा करने के लिए शामिल हुए है।
- इस आयोजन में प्रमुख आयुर्वेदिक संस्थानों के उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी शामिल है, जो आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल में आयुर्वेद की भूमिका को उजागर करती है।

एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में भारत छठे स्थान पर

- भारत ने एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में छठा स्थान हासिल किया, जो 10 दिसंबर को चीन से 30-41 की हार के बाद उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ परिणाम है। यह पहली बार था जब भारत ने इस टूर्नामेंट की मेजबानी की, जो नई दिल्ली में आयोजित हुआ।
- फाइनल में जापान ने गत चैंपियन दक्षिण कोरिया को 25-24 से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता।
- कजाकिस्तान ने ईरान को 28-22 से हराकर कांस्य पदक जीता। टूर्नामेंट की सफलता एशिया में महिला हैंडबॉल की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना

- दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना शुरू की है, जो पात्र महिलाओं को 1,000 की मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- दिल्ली चुनावों के बाद यह राशि बढ़कर 2,100 हो जाएगी। इस योजना की घोषणा 2024-25 के बजट में 2,000 करोड़ के आवंटन के साथ की गई थी, जिसका उद्देश्य 38 लाख महिलाओं को लाभ पहुंचाना है।
- पात्रता के लिए, आवेदकों को स्थायी दिल्ली निवासी होना चाहिए, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु का होना चाहिए और वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख से कम होनी चाहिए।वे करदाता या सरकारी कर्मचारी नहीं होने चाहिए।
- इस पहल का उद्देश्य महिलाओं की वित्तीय और सामाजिक भलाई में सुधार करना है।

लद्दाख में खेलो इंडिया विंटर गेम्स का आयोजन

- लद्दाख 23 से 27 जनवरी 2025 तक खेलो इंडिया विंटर गेम्स की मेजबानी करेगा। जम्मू और कश्मीर 22 से 25 फरवरी 2025 तक बर्फ के खेलों की मेजबानी करेगा। ये खेल खेलो इंडिया सीजन की शुरुआत करेंगे, जिसके बाद अप्रैल 2025 में बिहार में युवा और पैरा गेम्स आयोजित किए जाएंगे।
- खेलो इंडिया विंटर गेम्स की शुरुआत 2020 में हुई थी, जिसमें लगभग 1,000 एथलीट्स शामिल थे, जिनमें से 306 महिलाएं थीं।
- वर्षों के साथ, इस विंटर गेम के आयोजन में काफी वृद्धि हुई है, जो जम्मू और कश्मीर में इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।
- लद्दाख लगातार दूसरे वर्ष इस आयोजन का हिस्सा होस्ट कर रहा है, जो शीतकालीन खेलों में इसकी बढ़ती महत्वता को दर्शाता है।
- ये खेल शीतकालीन खेलों को बढ़ावा देते हैं और क्षेत्र में पर्यटन और खेल संरचना को मजबूत करते हैं।

भारत ने कुल प्रजनन दर 2.0 का लक्ष्य किया हासिल

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार भारत ने कुल प्रजनन दर (TFR) 2.0 हासिल कर ली है।
- यह राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के लक्ष्यों को पूरा करता है। सरकारी परिवार नियोजन कार्यक्रम इस उपलब्धि के केंद्र बिंदु रहे हैं।
- निरोधक विकल्पों में कंडोम, मौखिक गोलियाँ, आपातकालीन गर्भनिरोधक, अंतर्गर्भाशयी गर्भनिरोधक उपकरण (IUCDs) और नसबंदी शामिल हैं। अतिरिक्त विकल्पों जैसे अंतरा इंजेक्टेबल गर्भनिरोधक और छाया गोली को भी पेश किया गया है।
- मिशन परिवार विकास पहल का ध्यान उच्च प्राथमिकता वाले और पूर्वोत्तर राज्यों में परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करने पर है।
- नसबंदी के लिए वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाते हैं और प्रसवोत्तर गर्भनिरोधक उपायों जैसे प्रसवोत्तर IUCDs और नसबंदी को बढ़ावा दिया जाता है।
- गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, 16,586 स्वास्थ्य सुविधाओं को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (NQAS) प्रमाणन प्राप्त हुआ है।
- इन प्रयासों का उद्देश्य परिवार के स्वास्थ्य में सुधार करना और संतुलित जनसंख्या वृद्धि सुनिश्चित करना है।

लोकसभा ने रेलवे (संशोधन) विधेयक 2024 पारित किया

- लोकसभा ने रेलवे (संशोधन) विधेयक 2024 पारित किया है, जिसका उद्देश्य रेलवे बोर्ड की शक्तियों और स्वतंत्रता को बढ़ाना है।
- यह विधेयक रेलवे अधिनियम 1989 में संशोधन करता है, जिससे केंद्र सरकार को रेलवे बोर्ड की संरचना, सदस्यों की संख्या, उनकी योग्यता और सेवा शर्तों के बारे में निर्णय लेने का अधिकार मिलता है।
- यह विधेयक भारतीय रेलवे बोर्ड अधिनियम, 1905 के सभी प्रावधानों को रेलवे अधिनियम, 1989 में शामिल करता है। यद्यपि रेलवे अधिनियम 1989 ने भारतीय रेलवे अधिनियम 1890 को प्रतिस्थापित किया, रेलवे बोर्ड अब तक कानूनी समर्थन के बिना संचालित होता रहा है।
- यह संशोधन भारतीय रेलवे के प्रशासन को मजबूत करता है, दक्षता और निर्णय-निर्माण में सुधार करता है।
- यह रेलवे प्रणाली के आधुनिकीकरण और बढ़ते परिवहन नेटवर्क की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com